रपोद्सं./ Report No. 579 (70/18.2/4)

# भारत म पा रवा रकूँजी यय

# Household Capital Expenditure in India

## एन. एस. एस. 70 वाँ दौर

## NSS 70th Round

(□□□□□ – □□□□□□ 2013)

(January – December 2013)

भारत सरकार

Government of India

सांि यक और काय म काया वयन मं ालय

Ministry of Statistics and Programme Implementation

रा ीय तदश सव काया लय

National Sample Survey Office

# प्राक्कथन

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) के अखिल भारत ऋण एवं निवेश के सर्वेक्षण (एआईडीआईएस) परिसम्पतियों के स्टॉक, ऋणग्रस्तता की घटनाओं, पूंजी निर्माण के विभिन्न संकेतकों तथा ग्रामीण/शहरी अर्थव्यवस्था के अन्य सम्बंधित संकेतकों के लिए बाजार आंकड़ों के प्रमुख स्रोत हैं । इन्हें योजना, नीति-निर्माण तथा विभिन्न सरकारी संगठनों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और विद्वानों द्वारा आगामी विश्लेषात्मक अध्ययनों के लिए इनपुट के रूप में प्रयोग में लाया जाता है ।

2. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) ने जनवरी-दिसम्बर 2013 के दौरान किए गए एन.एस.एस. के 70वें दौर में अखिल भारत ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण (एआईडीआईएस) किया । इस सर्वेक्षण में, घरेलू ऋणग्रस्तता की सूचना 30 जून 2012 के अनुसार एकत्र की गई । अधिकांश राज्य सरकारों ने भी समान प्रतिदर्श आधार पर इस सर्वेक्षण में भाग लिया । इससे पूर्व एनएसएसओ ने एन.एस.एस. के 26वें दौर (जुलाई 1971-जून 1972), 37वें दौर (जनवरी-दिसम्बर 1982), 48वें दौर (जनवरी-दिसम्बर 1992), तथा 59वें दौर (जनवरी-दिसम्बर 2003) में अखिल भारत ऋण और निवेश सर्वेक्षण किया । एन.एस.एस. का 70 वाँ दौर (जनवरी-दिसम्बर 2013) इस श्रृंखला में पांचवाँ सर्वेक्षण है ।

3. अखिल भारत ऋण एवं निवेश के इस दौर में एनएसएसओ द्वारा एकत्र केन्द्रीय प्रतिदर्श आंकड़ों के आधार पर, भारतीय परिवारों की परिसम्पतियों और ऋणग्रस्तता के महत्वपूर्ण संकेतकों के आकलन देते हुए *'भारत में ऋण और निवेश के मुख्य संकेतक'* तथा इकाई स्तरीय आंकड़े दिसम्बर 2014 में जारी किए गए । इसके अलावा, ऋण और निवेश के विभिन्न पहलुयों पर चार विस्तृत रिपोर्टें जारी करना प्रस्तावित किया गया । जिसमें पहली रिपोर्ट *'पारिवारिक परिसम्पतियों और देनदारियों'* में 30 जून 2012 की स्थिति के अनुसार ग्रामीण और शहरी परिवारों की परिसंपत्तियों तथा देयताओं (नकद ऋणों) के सर्वेक्षण के अनुमान दिए गए हैं । दूसरी रिपोर्ट नामत: *'भारत में घरेलू ऋणग्रस्तता'* में विभिन्न विशेषताओं जैसे कि ब्याज की दर, ऋण की अवधि, क्रेडिट एजेंसी आदि के तहत परिवारों के बकाया नकदी देनदारियों के वितरण सहित परिवार ऋणग्रस्तता के विभिन्न पहलुओं को कवर किया गया । तीसरी रिपोर्ट नामत: *'सामाजिक समूहों की घरेलू परिसंपत्तियाँ और ऋणग्रस्तता'* में विभिन्न सामाजिक समूहों के अनेक पहलुओं को शामिल किया गया । 'भारत में परिवारिक पूंजीगत व्यय' नामक वर्तमान रिपोर्ट चार रिपोर्टों की श्रृंखला में अंतिम है । यह रिपोर्ट व्यय के प्रकार, व्यय शीर्षों, वित्त स्रोत आदि द्वारा परिवार पूंजीगत व्यय के अनेक पहलुओं को कवर करती है ।

4. सर्वेक्षण अभिकल्प तथा अनुसंधान प्रभाग (एसडीआरडी) ने सर्वेक्षण के साधन विकसित करने तथा इस रिपोर्ट को तैयार करने का कार्य किया है । केन्द्रीय प्रतिदर्श के संबंध में सर्वेक्षण का फील्ड कार्य क्षेत्र संकार्य प्रभाग (एफओडी) द्वारा किया गया है । आंकड़ा विधायन तथा सारणीयन का कार्य समंक विधायन प्रभाग (डीपीडी) द्वारा किया गया है । समन्वय एवं प्रकाशन प्रभाग (सीपीडी) ने सर्वेक्षण संबंधी विभिन्न कार्यकलापों के समन्वयन का कार्य किया है ।

5. मैं, सर्वेक्षण के विभिन्न चरणों में अपना बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 70वें दौर के कार्य दल और राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी) के अध्यक्ष और सदस्यों की अत्यंत आभारी हूँ । मैं इस रिपोर्ट को तैयार करने में शामिल एनएसएसओ के विभिन्न प्रभागों के अधिकारियों द्वारा किये गये प्रयासों की भी सराहना करता हूँ ।

6. मुझे विशवास है कि यह रिपोर्ट योजनाकारों, नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगी । इस रिपोर्ट की विषयवस्तु, कलेवर, कवरेज अथवा रिपोर्ट के किसी अन्य पहलू में सुधार के लिए सुझावों का स्वागत है ।

जी. सी. मन्ना

नई दिल्ली
फरवरी, 2017

(डॉ. जी.सी. मन्ना)
महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय